अश्लीलता के विरोध पर पीटा, रिपोर्ट

कानपुर। दामोदर नगर ताज नगर निवासी संजय त्रिवेदी के मुताबिक, बीती 28 मई को घर के सामने स्थित पार्क में एक प्रेमीजोड़ा अश्लीलता कर रहा था। मोहल्ले के शिवनारायण ने विरोध किया तो आरोपित ने गाली-गलौज की और चला गया। शाम साढ़े सात बजे संजय घर के बाहर खड़े थे इसी दौरान लकी अपने भाई लल्ली, पिता एसके कुमार, राहुल, सनी, बिल्लल समेत करीब 12 अज्ञात लोगों संग वहां आया और उनका सिर फोड़ दिया। मामले में पीड़ित ने रिपोर्ट कराई है।

JKcement
जे.के. सीमेन्ट लिमिटेड
सीआइएन : L17229UP1994PLC017199
पंजीकृत कार्यालय : कमला टावर, कानपुर–208001, उ.प्र.
टेलीफोन : +91 512 2371478 फैक्स : +91 512 2332665
ईमेल : shambhu.singh@jkcement.com वेब : www.jkcement.com

दावा रहित/भुगतान रहित इक्विटी शेयरों का निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि (आई ई पी एफ) में अंतरण के पूर्व इक्विटी शेयरहोल्डर्स/सदस्यों को सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दावा रहित या भुगतान रहित लाभांश वर्तमान में कंपनी के पास हैं, और इन्हें सितम्बर 2024, के प्रथम सप्ताह में आई ई पी एफ को अंतरित किया जाना प्रस्तावित है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 के प्रावधानों के अनुपालन में सदस्यों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि, कंपनी के उन इक्विटी शेयरों को, जिनके लाभांश का दावा या भुगतान लगातार सात वर्षों या अधिक समय से नहीं किया गया है, को कंपनी द्वारा भारत सरकार के निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि (आई ई पी एफ) में अनिवार्य रूप से अंतरित किया जाना अपेक्षित है, इससे संबंधित सूचना कंपनी की वेबसाइट www.jkcement.com पर " Information about IEPF" सेक्शन के तहत उपलब्ध है। एतत संबंधित सूचना, सभी सदस्यों को व्यक्तिगत पत्र के माध्यम से, उनके रजिस्टर्ड पते पर भेजी जा चुकी है।

सदस्यों से निवेदन है कि वे अपने दावे लिखित रूप में कम्पनी के रजिस्ट्रार व ट्रांसफर एजेन्ट, NSDL Database Management Limited (NDML) 4th Floor, Tower 3, One International Centre, Senapati Bapat Marg, Prabhadevi, Mumbai- 400 013 को दिनांक 31 अगस्त, 2024 तक भेज दें।

यदि कंपनी को दिनांक 31.08.2024 तक कोई भी वैध दावा प्राप्त नहीं होता है तो कंपनी सितम्बर, 2024 के प्रथम सप्ताह में ऐसे शेयरों को आई ई पी एफ को अंतरित करने की दिशा मे आगे की कार्यवाही करेगी। एक बार कंपनी द्वारा ऐसे शेयरों को आई ई पी एफ को अंतरित कर देने के पश्चात, सम्बंधित सदस्य ऐसे शेयरों पर दावा केवल आई ई पी एफ प्राधिकरण को ही इस हेतु नियत प्रक्रिया के तहत प्रस्तुत कर सकेंगे। एक बार आई ई पी एफ को शेयर अंतरित करने के पश्चात् ऐसे दावा रहित या भुगतान रहित शेयरों की वापसी के सम्बंध में कोई भी दावा कंपनी द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष तक के दावा रहित या भुगतान रहित लाभांशों को कंपनी द्वारा पहले ही आई ई पी एफ में अंतरित किया जा चुका है।। इस हेतु किसी भी प्रकार का स्पष्टीकरण हेतु कृपया shambhu.singh@jkcement.com / sunilk@nsdl.com पर ई–मेल भेज कर अथवा टेलीफोन नं0 + 022 4914 2589/2700 पर फोन करके प्राप्त किया जा सकता है।

यह सूचना आई ई पी एफ प्राधिकरण (लेखा, अंकेक्षण, अंतरण तथा धनवापसी) नियम 2016 के लागू प्रावधानों के अनुरूप प्रकाशित की गयी है।

स्थान: कानपुर
दिनांक: 30.05.2024
कृते जे. के. सीमेण्ट लिमिटेड
शम्भू सिंह
उपाध्यक्ष एवं कम्पनी सचिव
आईसीएसआई मेम्बरशिप सं0 एफसीएस 5836

शहर के बाहरी इलाकों में लो वोल्टेज की ज्यादा दिक्कत, पंखे-मोटर तक नहीं चल पा रहे, कंट्रोल रूम में रोज 40-50 शिकायतें

फॉल्टों की लगी झड़ी, लो-वोल्टेज से समस्या बढ़ी

बिजली संकट

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। बिजली फॉल्टों की झड़ी के साथ ही लो-वोल्टेज ने लोगों का पारा बढ़ा दिया है। शहर के बाहरी इलाकों में सबसे ज्यादा लो-वोल्टेज की समस्या से लोग बेहाल हैं। पंखे, मोटर से लेकर बिजली के उपकरण तक नहीं चल पा रहे हैं। केस्को सब स्टेशन और कंट्रोल रूम में 40-50 शिकायतें प्रतिदिन आ रही हैं।

नौबस्ता, हंसपुरम, देहली सुजानपुर, बरा और कल्याणपुर डिवीजन में सबसे ज्यादा लो-वोल्टेज की समस्या है। बसंत विहार निवासी योगेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह मोटर ठीक चलती है। बिजली भी ठीक आती है। दोपहर 12 बजते ही वोल्टेज कम और ज्यादा होने लगता है। इससे पंखा रेंगने लगता है। शाम और दोपहर पानी की मोटर तक नहीं चल पाती है। 10 दिन से लगातार दिक्कत है। कम से कम आठ बार शिकायत कर चुके हैं। फिर भी कोई झांकने तक नहीं आया। केस्को अफसर लो-वोल्टेज को लेकर ठीकरा ट्रांसमिशन पर फोड़ रहे हैं। थाकेरी निवासी चंद्रेंद्र गुप्ता ने बताया कि शाम होते ही लो-वोल्टेज से बिजली के उपकरण नहीं चल पाते। कूलर तक नहीं चल पाता है। केस्को के मीडिया प्रभारी एसके रंगीला ने बताया कि लो-वोल्टेज की समस्या ही रही है। इसके लिए ट्रांसमिशन को पत्र लिखा गया है। वहां से ही कम वोल्टेज आ रहा है। वोल्टेज बढ़ाने के लिए कहा गया है।

वोल्टेज बढ़ाने वाला उपकरण खराब, अफसरों से छुपाया : केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन ने बुधवार को गोविंद नगर डिवीजन का औचक निरीक्षण किया। दबौली सब स्टेशन में वोल्टेज बढ़ाने वाले उपकरण (कैपेसिटर बैंक) खराब पाए गए। इसके बावजूद जेई और वर्कर ने आला अफसरों को जानकारी तक नहीं दी। इस पर केस्को एमडी ने नाराजगी जाहिर की। केस्को एमडी ने तत्काल एई व जेई को चेतावनी जारी करके दोनों का स्पष्टीकरण तलब किया है।

मुरुवार को केस्को एमडी ने गोविंदनगर डिवीजन का औचक निरीक्षण किया।

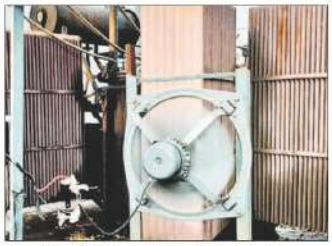
हीट हो रहे ट्रांसफॉर्मरों को एग्जास्ट फैन लगाकर ठंडा किया जा रहा है।

लोड पहुंचा 710 मेगावाट, शिकायतें आईं 112

शहर की बिजली खपत 710 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। अभी भी अधिकतम से बिजली का लोड 21 मेगावाट कम है। शहर का अधिकतम बिजली का लोड 731 मेगावाट तक गया है। केस्को के कंट्रोल रूम में 8850 कॉल एक दिन में आई हैं। 112 बिजली संकट को लेकर लोगों ने फोन करके शिकायत दर्ज कराई है। इसमें ज्यादातर शिकायत बार-बार बिजली जाने की रही है।

बिजली के तार से पार्षद और भतीजा झुलसे

पराग डेयरी डिवीजन के गोविंद नगर इलाके में बीआर वास्सन स्कूल के बाहर पार्षद दल के नेता नवीन पंडित और उनका भतीजा श्रेयांश बिजली के तार से झुलस गए। पार्षद नवीन ने बताया कि वह अपने भतीजे को लेकर कोचिंग से लौट रहे थे। तभी तार गलने से टपक रहे थे। तत्काल पार्षद ने जेई को जानकारी दी। संतुष्ट न होने पर पराग डेयरी डिवीजन गए और एक घंटा बैठे रहे लेकिन एक्सीशन नहीं आए।

240 बार शहर में अलग-अलग जगह गई बिजली

एक दिन में 240 बार शहर की बिजली अलग-अलग स्थानों में बंद हुई। 544 फीडरों में से 240 फीडरों पर बिजली का व्यवधान आया। 15 से 15 मिनट बिजली 411, 15 मिनट से 30 मिनट तक 155, 30 मिनट से एक घंटे तक 51 और एक घंटे से अधिक बार 36 बार शहर में बिजली गई है। सबसे ज्यादा बिजली कल्याणपुर में 59, देहली सुजानपुर में 56, हैरिसगंज में 53, गोविंद नगर में 51 और रतनपुर में 50 जगह गई। इसके बावजूद केस्को अफसरों का दावा है कि बिजली की आपूर्ति 23 घंटे 34 मिनट की गई है। वहीं पीरोड वनखंडेश्वर मंदिर के पास सुबह से दोपहर तक आठ बार बिजली जाने से लोग बेहाल हो गए।

कानपुर विकास प्राधिकरण आवश्यक सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूखण्ड संख्या-57, अलक-एए, योजना संख्या-04, सीसामऊ, कानपुर नगर योजना 271 वर्गमीटर को जो हीरा रोड प्राधिकरण द्वारा दिनांक 23.04.1998 को श्री राम चल्ल सिंह पुत्र स्व0 गोलम्बर सिंह के पक्ष में निगमादित है। प्रस्तुत प्रपत्रों एवं पंजीकृत विक्रयपत्रों के अनुसार फो-हीरालाल/राम्चल्ल सिंह की मृत्यु दिनांक 22.06.2005 को एवं इनकी पत्नी की मृत्यु इनके जीवनकाल में ही हो चुकी है। मृतक के वास्तविक वारिस, श्री राजेन्द्र सिंह व श्रीमती लेखा सिंह पुत्र लेखा निगम हैं। मृतक के पुत्र राजेन्द्र सिंह की मृत्यु दिनांक 01.06.1988 को व पुत्री लेखा निगम की मृत्यु दिनांक 04.06.2000 को हो गयी एवं लेखा निगम के पति एचएपी0 निगम की मृत्यु दिनांक 01.10.2014 को हो गयी है। भू-स्वामी के एक मात्र पुत्र राजेन्द्र सिंह की मृत्यु के पश्चात इनकी पत्नी श्रीमती कान्ता सिंह द्वारा भूखण्ड के 1/2 भाग क्षेत्रफल 135.50 वर्गमीटर का विक्रय श्री सैयद अब्दुल कदीर पुत्र स्व0 मोहम्मद जहीर के पक्ष में दिनांक 14.08.2019 को कर दिया है एवं भू-स्वामी की एक मात्र पुत्री श्रीमती लेखा निगम की मृत्यु के पश्चात इनकी एक मात्र पुत्री श्रीमती अंजनी निगम द्वारा भूखण्ड के अवशेष 1/2 भाग क्षेत्रफल 135.50 वर्गगज/113.29 वर्गमीटर का विक्रय श्री नूर अहमद पुत्र इसाक उल्ला एवं नेहा शर्मा पुत्री विश्व शंकर शर्मा द्वारा अपने स्वामित्व के भाग क्षेत्रफल 135.50 वर्गगज/ 113.29 वर्गमीटर का विक्रय श्री अहमद हुसैन पुत्र शहीद हुसैन एवं मो0 जाफर पुत्र मो0 ताकी के पक्ष में दिनांक 15.05.2023 को कर दिया। भूखण्ड के 1/2 भाग क्षेत्रफल 135.50 वर्गगज / 113.29 वर्गमीटर के पूर्व मैनाधारकान्त श्री सैय्यद अब्दुल कादीर पुत्र स्व0 मोहम्मद जहीर द्वारा अपने स्वामित्व का विक्रय श्री अहमद हुसैन पुत्र शहीद हुसैन एवं मो0 जाफर पुत्र मो0 ताकी के पक्ष में दिनांक 07.03.2024 को कर दिया है। इस प्रकार श्री अहमद हुसैन पुत्र शहीद हुसैन एवं मो0 जाफर पुत्र मो0 ताकी की सम्पूर्ण भाग क्षेत्रफल 271 वर्गगज/226.59 वर्गमीटर का स्वामित्व विक्रयपत्रों से प्राप्त हुआ है। उक्त के आधार पर नामान्तरण का आवेदन किया गया है। अतः प्रस्तुत प्रपत्रों एवं विक्रयपत्रों के आधार पर भूखण्ड संख्या-57, अलक-एए, योजना संख्या-04, सीसामऊ, कानपुर नगर क्षेत्रफल 271 वर्गगज/226.59 वर्गमीटर के प्राविधानन अधिनियम में श्री अहमद हुसैन पुत्र शहीद हुसैन एवं मो0 जाफर पुत्र मो0 ताकी का नाम संयुक्त रूप से अंकित किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो, तो अपना अधिकार साक्ष्य के, सात्यापित प्रमाणित लिखित में सात माह के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय विकास जोन-1 में उपस्थित कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावा पर विचार किया जाना सम्भव न होगा।

विशेष कार्याधिकारी (विकास जोन-1)

अवधपुरी, लखनपुर-विकासनगर में जलापूर्ति बंद

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। जीटी रोड से लखनपुर को जाने वाली सड़क पर वाटर लाइन में लीकेज से जलकल ने खुदाई की। एक सप्ताह से अधिक समय गुजर जाने के बावजूद लीकेज नहीं मिला। वहीं, विकासनगर, लखनपुर और अवधपुरी इलाके में पेयजल की सप्लाई ठप हो गई। इलाकाई लोगों ने जलकल के जोन छह में कई बार शिकायत की पर समस्या का समाधान नहीं हुआ।

जलकल जोन छह के अधिशासी अभियंता मो. शमीम ने बताया कि लखनपुर सड़क पर पड़ी वाटर लाइन के यूटर्न के टी प्वाइंट की लाइन चोक हो गई है। इस वजह से जलापूर्ति ठप है। इलाकाई लोगों का आरोप है कि भीषण गर्मी में पानी की एक बाल्टी के लिए पांच-पांच सौ मीटर दूर जाना पड़ता है।

अवधपुरी में पानी के टैंकर से महिलाएं पानी भरने को विवश हैं।

> पिछले एक सप्ताह से जलकल ने खुदाई कर डाल दी। लीकेज मिला और न ही चोक वाटर लाइन बदली गई। हर घर नल, हर घर जल की बात तो दूर यहां तो घरों में नल है पर जल ही नहीं आ रहा है। सरला टंडन, अवधपुरी

> जलकल के जेई से लेकर एक्सईएन तक जनता की दिक्कतों को ध्यान ही नहीं दे रहे हैं वरना सात-आठ दिन हो गए और वाटर सप्लाई शुरू नहीं हुई। दस बार फोन करो, तब जाकर टैंकर आता है। अमित त्रिवेदी, इलाकाई निवासी

पांच लाख लोगों को नहीं मिला पानी

गोविंदनगर के डीबीएस रोड स्थित सिंधी धर्मशाला के सामने मोबाइल कंपनी ने सड़क खोदी तो जलकल की मुख्य पाइपलाइन टूट गई। इसकी वजह से इलाके के पांच वार्डों में पांच लाख लोगों की जलापूर्ति ठप हो गई। जानकारी पर पहुंचे इलाकाई पार्षद नवीन पंडित ने काम बंद करा दिया। जलकल जेई विनोद रावत को मौके पर बुला पूछा तो पता चला कि बिना इजाजत मोबाइल कंपनी के कर्मचारी खुदाई करा रहे थे। वहीं जेई जलकल विनोद रावत ने बताया कि मोबाइल कंपनी के जिम्मेदार अफसरों को बुलाया है। शीघ्र अफसरों से बात करके हर्जाना तो वसूलेंगे ही, साथ ही मुकदमा भी दर्ज कर कार्रवाई करेंगे।

26 स्वर्णिम वर्ष 1997-2024
24 घंटे लैब सेवा
26 साल से अधिक आपका विश्वसनीय हेल्थ मित्र
पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि. सहयोग डॉ. लाल पैथलैब्स
21 उत्कृष्ट लैब्स | 158+ कलेक्शन सेंटर्स | 173+ पिकअप पॉइंट्स | 9.99 लाख कुल पेशेंट्स (2021-22) में

पालीवाल डायग्नोस्टिक्स मेडिकेयर प्रा. लि.
मुख्य लैब : 117/एच–1/02, पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर–05
फोन : 0512-2335500, 2235821, 2232962

Swasth Fit
Family Offer has been extended till
30th June, 2024
Single Booking : MRP - 5000 After Discount - 3500
1+1 Booking : MRP - 10,000 After discount - 6000

विश्वस्तरीय क्वालिटी
आकर्षक दरों पर किफायती स्वास्थ्य परीक्षण

हमारे विभिन्न किफायती हेल्थ पैकेजेस में से आज ही चुनें, अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाईन पर संपर्क करें।
लैब जैसी सुविधा अब घर पर भी — स्वच्छता, सुविधा, भरोसा
होम कलेक्शन / हेल्पलाईन नं. 9305028499, 7311130006, 9336843141
customercare.pdpl@lalpathlabs.com www.paliwaldiagnostics.in

स्वस्थ सुपर-1 (27 Tests)	स्वस्थ सुपर-2 (47 Tests)	स्वस्थ सुपर-3 (29 Tests)	स्वस्थ सुपर-4 (49 Tests)	स्वस्थ फिट कम्पलीट
OFFER PRICE 1050/-	OFFER PRICE 1350/-	OFFER PRICE 2050/-	OFFER PRICE 2350/-	OFFER PRICE 3500/-

सुविधाएं — NABL & ISO CERTIFIED LAB — सभी जाँचें एक छत के नीचे
सी.टी. स्कैन, एक्सरे (डिजिटल), अल्ट्रासाउन्ड, टी0एम0टी0, ओ0पी0जी0, ऑडियोमेट्री, पैथोलॉजी, कलर डॉप्लर, ई0ई0जी0, आई एण्ड ईयर, इको कार्डियोग्राफी, पी0एफ0टी0

मुख्य शाखा लैब
परख डायग्नोस्टिक सेन्टर
सी.टी. स्कैन, एक्सरे, अल्ट्रासाउन्ड व सभी पैथोलॉजी जाँचें
37/17 वेस्टकोट बिल्डिंग कैम्पस, द मॉल, कानपुर
फो.: 0512-2363605, 2304005, 9919406571

साउथ ब्रान्च
मातृ छाया बिल्डिंग
621/37, W-2 बर्रा
निकट सचान गेस्ट हाउस
फोन: 9335093357, 9838900770

ADVERTISEMENT

धूम्रपान का प्रभाव इससे बचाव एवं मुक्ति

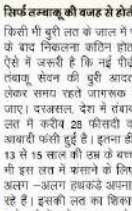
डॉ. उमेश पालीवाल (डायरेक्टर)

तंबाकू की लत में फंस चुकी है 28 फीसदी वयस्क आबादी, दुनिया में हर साल 80 लाख लोगों की मौत सिर्फ तम्बाकू की वजह से होती है।

किसी भी बुरी लत के जाल में फँसने के बाद निकलना कठिन होता है। ऐसे में जरूरी है कि नई पीढ़ी को तंबाकू सेवन की बुरी आदत को लेकर सचेत रहते जागरूक किया जाए। दरअसल, देश में तंबाकू की लत में करीब 28 फीसदी वयस्क आबादी फंसी हुई है। इतना ही नहीं 13 से 15 साल की उम्र के बच्चों को भी इस लत में फंसाने के लिए कई अलग-अलग हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। इसकी लत का शिकार बन चुके लोगों को बाहर लाने और उनकी जान बचाने के लिए तंबाकू उत्पादों पर जल्द ही कोई बड़ा सख्त कदम उठाने की जरूरत है। दरअसल, तंबाकू कंपनियां नए-नए तरीकों से युवा पीढ़ी को नशे का गुलाम बना रही हैं। नशे की अंधी गलियों में भटक रहे युवाओं को बाहर निकालना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है। हर वर्ष 31 मई को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में एक साल में करीब 80 लाख लोगों की तंबाकू के कारण मौत हो रही है। इसकी लत सबसे ज्यादा युवाओं को जकड़ रही है। इस कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बार वर्ल्ड नो टोबैको–वे 2024 की थीम "युवाओं को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना" रखी है। यह विषय युवाओं को तंबाकू इंडस्ट्री के बहकावे से बचाते हुए भावी पीढ़ियों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने की आवश्यकता पर जोर देता है।

धूम्रपान का प्रभाव– धूम्रपान एक प्रकार का धीमा जहर है यह बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, चिलम आदि के माध्यम से किया जाता है इसमें निकोटिन नामक तत्व मुख, श्वासनाल व फेफड़ों में पहुंचकर अवशोषित होता है तथा रक्त में पहुंचकर हमें उत्तेजना का अहसास देता है। इसके दीर्घकालिक सेवन से फेफड़ों का अस्थमा, अम्फाइजीमा तथा कई अंगों में अन्य बीमारियां होने की सम्भावना काफी बढ़ जाती है। आजकल वैसे ही वातावरण में अत्यधिक प्रदूषण व शुद्ध भोजन व अच्छी दिनचर्या के अभाव में हमारे ऊपर विभिन्न बीमारियों का खतरा मंडराता रहता है अतः हम धूम्रपान से थपकर इन खतरों को कम कर सकते है। अगर धूम्रपान कर रहे हैं तो इसके कारण शरीर में पड़ चुके असर को विभिन्न जाँचों से पता कर उसका समय से इलाज कर सकते हैं व पूरी तरह से धूम्रपान बंद कर स्वास्थ्य जीवन का आनंद ले सकते हैं।

मेडिकल परीक्षण, जो धूम्रपान करने वालों के लिए कराये जाते हैं–

(1) निकोटिन व कोटिनिन जाँच : तम्बाखू सेवन से निकोटिन शरीर के रक्त में घुल जाता है तथा कोटिनिन एक प्रकार से निकोटिन का मेटाबोलिक उत्पाद है। यह जाँचें रक्त व मूत्र से अक्सर इन्शोरेन्स कंपनी बीमा का जोखिम जानने व नियोक्ता द्वारा उम्मीदवार की करायी जाती है।

(2) चेस्ट एक्सरे : छाती का एक्सरे रोगविज्ञानियों को आपके फेफड़ों को अब तक कितनी हुई क्षति को मापने में मदद कर सकता है।

(3) स्पेरोमेट्री : यह एक विशिष्ट प्रकार

का श्वास परीक्षण है। यह प्राथमिक परीक्षण आमतौर पर यह मापने के लिए किया जाता है। आपके फेफड़े कितने प्रभावी ढंग से कार्य करते हैं, और इसलिए फेफड़ों के कैंसर, फेफड़ों के फाइबोसिस, एस्बोस्टोसिस कैंसर और अन्य अंतरालीय फेफड़े के रोगों की वजह से फेफड़ों की कार्यशीलता पर पड़ने वाले प्रभाव को जानने के लिये करते हैं।

(4) सी टी स्कैन : यह फेफड़ों के कैंसर व अन्य प्रत्यक्ष मृदों का पता लगाने में मदद करता है। सी टी स्कैन बेहतर नैदानिक छवियां प्रदान करता है, जिससे डॉक्टरों को सादे एक्सरे की तुलना में पहले चरण में फेफड़ों के कैंसर जैसी समस्याओं का पता लगाने में मदद मिलती है।

(5) उच्च-संवेदनशीलता सी- रिएक्टिव प्रोटीन (एच एस- सीआरपी): एच एस–सीआरपी परीक्षण का उपयोग विशेष रूप से उन लोगों में हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम का पता लगाने के लिए किया जा सकता है, जिन्हें पहले से कोई हृदय रोग नहीं है। वास्तव में एक शोध पत्र के अनुसार, धूम्रपान करने वालों में धूम्रपान न करने वालों की तुलना में कम एचएस– सीआरपी स्तर पर भी हृदय रोग विकसित होता है।

(6) इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम : इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम या ईसीजी स्वास्थ्य पेशेवरों को धूम्रपान करने वाले के दिल में जटिलता का पता लगाने में मदद करता है।

(7) मधुमेह की जाँच : धूम्रपान करने वालों में आमतौर पर मधुमेह होने का खतरा अधिक होता है जो हृदय और गुर्दे की बीमारियों जैसी कई अन्य समस्याओं का मूल कारण होता है। यही कारण है कि डायबिटीज स्क्रीनिंग टेस्ट भी जरूरी है।

(8) विटामिन डी ब्लड टेस्ट : अधिकांश धूम्रपान करने वालों के रक्त में आमतौर पर विटामिन–डी की मात्रा कम होती है जो कि हड्डी के विकास व मजबूती के अलावा शरीर के अधिकांश अंगों के सुचारु रूप से कार्य करने के लिये बहुत जरूरी होती है।

धूम्रपान छोड़ने के बाद होने वाले अच्छे बदलाव – धूम्रपान छोडने का शुभ संकल्प लें और धीरे–धीरे निम्न अच्छे बदलावों का लाभ लें हालांकि धूम्रपान एक लत होने की वजह से शुरूआती दिक्कतें आती हैं लेकिन अच्छे विशेषज्ञ, चिकित्सक की सहायता लेना तथा कड़ा संकल्प इसमें सहायक होगा।

- छः घंटे के भीतर आपकी हृदय गति धीमी हो जाएगी और आपका रक्तचाप अधिक स्थिर हो जाएगा।
- एक दिन के भीतर आपका रक्त लगभग निकोटिन मुक्त हो जाएगा, और ऑक्सीजन आपके हृदय और मांसपेशियों तक आसानी से पहुंचने लगेगी।
- एक सप्ताह के भीतर आपकी स्वाद और गंध की क्षमता में सुधार हो सकता है।
- तीन महीने के भीतर आपको खांसी और घरघराहट कम हो जाएगी और आपके फेफड़े बलगम, लार और बेहतर हो जाएंगे।
- छः महीने के भीतर आपके तनाव का स्तर कम हो जाएगा, और आपको कफ आने की संभावना भी कम हो जाएगी।
- एक वर्ष के बाद आपके फेफड़े अधिक स्वस्थ हो जाएंगे और सांस लेना आसान हो जाएगा।
- दो से पांच वर्षों के भीतर आपके हृदय रोग का जोखिम कम हो जाएगा।
- पांच वर्ष के भीतर किसी महिला को गर्भाशय–ग्रीवा कैंसर का खतरा उतना ही हो जाएगा जितना कि यदि उसने धूम्रपान ना किया हो।
- 10 से 15 वर्ष बाद आपके फेफड़े का कैंसर का खतरा लगभग आधा हो जाएगा।
- 20 वर्ष के बाद आपके दिल का दौरा और स्ट्रोक होने का जोखिम उस व्यक्ति के समान हो जाएगा जिसने कभी धूम्रपान नहीं किया हो।